दिनांक 24/12/2020 को महिला प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से 'पोषण और स्वास्थ्य' (Nutrition & Health) विषय पर UDAAN के माध्यम से online lecture दिखाया गया। जिसकी वक्ता 'निरूपा मारवाह' ने छात्राओं को बताया कि हमें अपनी प्रकृति के अनुसार भोजन करना चाहिए। हमें अपनी Roots से जुड़े हुए अपनी प्राचीन खान-पान की पद्धति को अपनाना चाहिए। मौसम के अनुसार ही फल व सब्जियों को खाएं व सन्तुलित आहार लें। सर्दियों में बेसन, बाजरा, गुड़, नट्स, चने, व आंवला आदि जरूर लें। खाना सन्तुष्टि के साथ खाने से ही पोषण देता है साथ ही अपने शरीर के लिए समय निकालकर व्यायाम जरूर करें। छात्राओं ने बड़े ध्यान से इस व्याख्यान को सुना व भविष्य में अपने लिए समय निकालने का वायदा भी खुद से किया।

24/12/2020

24/12/2020

Seen

दिनांक 02/01/2021 को छात्राओं की प्रतिभाओं के विकास हेतु नारा लेखन, पोस्टर बनाओ, निबन्ध लेखन, स्लोगन, भाषण व कविता-पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका विषय महिलाओं से जुड़ी सामाजिक बुराइयाँ व महिला-सशक्तिकरण रहा। छात्राओं ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया व इन विषयों पर अपने विचार रखे। पूर्व प्राचार्य श्री बलजीत सिंह जी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. यशपाल सिंह जी ने भी महिला-सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए व बेटियों को और साहसी व मजबूत बनने की प्रेरणा दी।

दिनांक 04/01/2021 से 09/01/2021 तक महिला-प्रकोष्ठ के अन्तर्गत छात्राओं को 'आत्मरक्षा व योगा' प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से सबल बनाया गया। बसों, सार्वजनिक संस्थानों व नौकरी पेशा स्त्रियों के साथ बढ़ती छेड़छाड़ से वे किस तरह सुरक्षित रह सकती हैं प्रशिक्षिका नीलम ने ये बड़ा अच्छे से समझाया व सिखाया। छात्राओं ने अपने अनुभव साझा

Scanned with CamScanner

किए व अपने प्रश्नों के उत्तर पाए। योग से किस तरह आप खुद को स्वस्थ रख सकती हैं व माहवारी कैसे नियमित हो सकती है इस विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षण शिविर के अन्तिम दिन प्राचार्य महोदय की उपस्थिति में प्रतियोगिता करवाई गई जिसकी विजेता छात्राओं को प्राचार्य डॉ० यशपाल सिंह ने नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया व छात्राओं को सन्तुलित आहार लेने के लिए प्रेरित किया।

दिनांक 19/01/2024 को महिला-प्रकोष्ठ के अन्तर्गत छात्राओं को कानूनी रूप से जागरूक करने हेतु विस्तार व्याख्यानों का आयोजन किया जिसमें जिला अदालत जीन्द से एडवोकेट अंजलि कौशिक ने छात्राओं को संपत्ति अधिकार, दहेज, यौन-शोषण, घरेलू हिंसा, लिंग संवेदनशीलता, भ्रूण आदि मुद्दों पर बने कानूनों से अवगत कराया व छात्राओं को बताया कि यदि उनपर या आस पड़ोस में कहीं इस तरह का अपराध होता है तो वे इसकी जानकारी 1091 या 100 नम्बर पर दे सकती हैं। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ० सुमन ने बताया कि अगर आपके साथ गलत होता है तो

Scanned with CamScanner

इसकी दोषी आप नहीं हैं और आपको आवाज उठानी चाहिए इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी।

दिनांक 25/01/2021 को महिला प्रकोष्ठ के अन्तर्गत DGHE द्वारा प्रसारित लेक्चर को छात्राओं को online दिखाया गया। कार्यक्रम न्यूट्रीशियन ज्ञान के अन्तर्गत किया गया जिसमें मैडम जरीन अशरफ ने छात्राओं को सन्तुलित भोजन के बारे में बताया साथ ही BMI कितना होना चाहिए, खून की कमी के लक्षण मिनरल, विटामिन फाइबर व पानी का उपयोग शरीर के लिए कितना आवश्यक है व सुबह का नाश्ता अति आवश्यक है जिसे जरूर करना चाहिए व अपने शरीर को आप स्वस्थ किस प्रकार रख सकती हैं। 121 छात्राएं online इस lecture से जुड़ी और यह जानकारी छात्राओं के लिए बड़ी ही उपयोगी रही।

Women Cell and Beti Bachao Beti Padhao Committee

Annual Report (2021-2022)

दिनांक 8 सितंबर 2021 को राजकीय महाविद्यालय जुलाना में चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी हिसार के सौजन्य से महिला प्रकोष्ठ व राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से पोषण माह प्रोग्राम के अंतर्गत पोषण विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान करवाया गया, जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मास्टर ट्रेनर निकिता गर्ग ने सभी बच्चों को पोषण से संबंधित काफी आवश्यक और रोचक जानकारी दी। उन्होंने संतुलित आहार के बारे में बच्चों को बताया और साथ ही साथ अलग अलग न्यूट्रिशन से संबंधित फायदों के बारे में भी बच्चों को विस्तार से समझाया। व्याख्यान के दौरान सभी बच्चे बड़े ही रोचक ढंग से मैडम निकिता से प्रश्न करते रहे और बड़े ही सरल शब्दों में मैडम ने बच्चों के समस्याओं का समाधान किया। इस व्याख्यान के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य श्री रमेश दलाल जी, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ ज्योति लड़वाल, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी कुमारी मीना राणा, श्री मुकेश देशवाल और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे

दिनांक 23 अक्टूबर 2021 को राजकीय महाविद्यालय जुलाना में महिला प्रकोष्ठ के तरफ से मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लड़कियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। महिला प्रकोष्ठ के तरफ से समय-समय पर कौशल विकास से संबंधित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहा है। इसी के अंतर्गत कौशल विकास हेतु करवा चौथ के त्यौहार के उपलक्ष्य पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत बीए तृतीय वर्ष की छात्रा [illegible] ने प्रथम स्थान, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा काफी ने द्वितीय स्थान और द्वितीय वर्ष की छात्रा महिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलक्ष के सफलतापूर्वक आयोजन का श्रेय महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ ज्योति लडवाल को जाता है। इस अवसर पर डॉ नेहा मित्तल, श्रीमती नीरज धनिया, कुमारी मीना राणा, डॉ उषा, निशा और सरोज आदि सभी महिला प्राध्यापक उपस्थित रहे।

दिनांक 30 अक्टूबर 2021 को राजकीय महाविद्यालय जुलाना में महिला प्रकोष्ठ की तरफ से महिला सशक्तिकरण हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया-जैसे रंगोली, भाषण, निबंध लेखन, कविता पाठ, क्विज, पोस्टर बनाओ, नारा लेखन। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ राजेश बूरा द्वारा की गई। इन गतिविधियों में छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । इस आयोजन में दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर्दा प्रथा आदि सामाजिक समस्याओं को आधार बनाकर विभिन्न गतिविधियों को आयोजित किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा ममता प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा जन्नत द्वितीय और बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा प्रीति ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी कड़ी में बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा रितिका ने प्रथम, बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा सुमिता ने द्वितीय और बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा स्नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही कविता पाठ प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा सुमिता प्रथम, बी.ए तृतीय वर्ष की छात्रा स्वीटी द्वितीय और बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा सुनैना तृतीय स्थान पर रही। इस

Scanned with CamScanner

उपलक्ष पर प्रधानाचार्य जी ने छात्र छात्राओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए प्रेरित किया और को प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने के लिए संबोधित किया। इस प्रोग्राम को सफलतापूर्वक कराने का श्रेय महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ ज्योति लडवाल को जाता है। इस आयोजन में डॉ विशाल रेढ़ू, डॉ नेहा मित्तल, श्रीमती नीरज धनिया, कुमारी मीना राणा, डॉ सुरेंद्र, डॉ संजय, श्री विश्वजीत, श्री मुकेश देशवाल, श्री साहिल, श्री दिलबाग, डॉ कुलदीप, श्री महिपाल व श्री नरेंद्र ने सक्रिय भूमिका में रहे।

दिनांक 28 जनवरी 2022 को राजकीय महाविद्यालय जुलाना द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन ऑनलाइन माध्यम से कराया गया। इस सेमिनार का मुख्य विषय वित्तीय साक्षरता द्वारा नारी सशक्तिकरण था। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ जगबीर सिंह द्वारा करवाया गया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन मुख्य रूप से संयोजक सचिव डॉ ज्योति लडवाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की भूमिका में चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी जींद से डीन ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट प्रोफेसर संजय कुमार सिन्हा मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को दो तकनीकी सत्र में संपन्न किया गया। जिसमे प्रथम सत्र के वक्ता के तौर पर चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी जींद से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रचना श्रीवास्तव रहे। डॉ श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत के इतिहास से ही नारियों को विशेष महत्व दिया गया, आज के युग में भी नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है और देश की उन्नति में अपना योगदान दे रही हैं। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता जयप्रकाश यूनिवर्सिटी छपरा बिहार के अंतर्गत स्थापित राजेंद्र कॉलेज से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अर्चना उपाध्याय द्वारा की गई। डॉ उपाध्याय ने आज की नारी की दुर्दशा के बारे में चर्चा की और उन्होंने कहा की आज की नारी को किसी पर निर्भर रहने की बजाय, अपनी शक्ति को पहचानना होगा और स्वतंत्र रूप से काम करते हुए नारी सशक्तिकरण को बढाना होगा। स्वयं नारी ही अपने आप को सशक्त कर सकती है, लेकिन अगर पुरुषों की मानसिकता भी बदल जाए तो नारी का सर्वांगीण विकास संभव है। इस सम्मेलन के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों जैसे हरियाणा बिहार छत्तीसगढ चंडीगढ दिल्ली हिमाचल प्रदेश जम्मू कश्मीर झारखंड मध्य प्रदेश पंजाब राजस्थान सिक्किम उत्तराखंड उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सेनीतू प्रदीप लगभग 900 प्रतिभागी शामिल हुए, इन प्रतिभागियों में लगभग 405 प्रिंसिपल, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर आदि प्रतिभा संपन्न व्यक्ति शामिल हुए। सम्मेलन में लगभग 100 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र बड़े ही कुशलता पूर्वक ढंग से पी.पी. टी. के माध्यम से प्रस्तुत किए, जिनकी श्रोता गणों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करवाने में कार्यक्रम समन्वयक श्री विश्वजीत सिंह का मुख्य योगदान है इस कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री दीपक भाखर द्वारा शुभारंभ और समापन समारोह का संचालन कुशलतापूर्वक किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र का संचालन श्रीमती नीरज धानिया और श्रीमती सोनिया देशवाल द्वारा प्रभावपूर्ण तरीके से किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र का संचालन डॉ नेहा मित्तल व कुमारी निशू गुप्ता द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। सम्मेलन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ सिन्हा ने वित्तीय साक्षरता के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को तकनीकी स्तर पर सुचारू रूप से चलाने के लिए कुमारी मीना राणा और डॉ श्रवण कुमार ने अपना पूर्ण योगदान दिया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन कमेटी के प्रभारी डॉ सुरेंद्र कुमार भी शामिल हुए जिन्होंने

Scanned with CamScanner

नारी सशक्तिकरण पर व्यवहारिक मुद्दों से संबंधित शोध पत्र भी प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के संबंध में संपूर्ण भारत के विभिन्न राज्यों से शामिल हुए प्रतिभागियों द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई।

दिनांक 11 फरवरी 2022 को राजकीय महाविद्यालय जुलाना में महिला प्रकोष्ठ की तरफ से नारी सशक्तिकरण हेतु एक दिवसीय काउंसलिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ जगबीर सिंह कुंडू द्वारा लड़कियों को समाज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और सरकार द्वारा समय-समय पर महिलाओं के उत्थान हेतु बनाई गई योजनाओं से अवगत कराया व महिलाएं किस तरीके से इन योजनाओं का लाभ उठा सकती है, इस बारे में भी उन्हें जागरूक किया। डॉ कुंडू ने लड़कियों को महिला संरक्षण कानून से भी अवगत कराया। महिला संरक्षण अधिनियम उन्हें किस तरीके से संरक्षित करता है इससे संबंधित कानूनों के बारे में उन्होंने सभी लड़कियों को बताया। इस वर्कशॉप के दौरान महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ ज्योति लडवाल द्वारा लड़कियों को अपने समाज में, घर में, स्कूल, कॉलेज में किस तरीके से अपने आप को सुरक्षित रखना, गुड टच व बैड टच को परखना और इन अनचाही घटनाओं से सचेत रहने के बारे में जागरूक किया। साथ ही डॉ लडवाल ने महाविद्यालय में लड़कियों के लिए आयोजित की जाने वाली 14 फरवरी से 19 फरवरी 2022 तक आत्मरक्षा ट्रेनिंग वर्कशॉप में भाग लेने के लिए भी सभी लड़कियों को प्रेरित किया और आत्मरक्षा के गुण सीखना उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है, के बारे में प्रकाश डाला।

राजकीय महाविद्यालय जुलाना में पांच दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान 100 से ज्यादा छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे । शिविर के दौरान महिला प्रशिक्षक एवं बॉक्सिंग खिलाड़ी मोनिका पांचाल द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन महिला सैल प्रभारी डॉ ज्योति लडवाल की देखरेख में हुआ । छात्राओं ने बताया कि हमें इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला जैसे हम किसी मनचले लड़कों से कैसे बचाव कर सकते हैं और कैसे उन पर बिना किसी औजार के प्रहार कर सकते है । लड़कियों का मानना है कि ऐसे ऐसे प्रशिक्षण शिविर समय-समय पर होने चाहिए ताकि हम सभी आत्मरक्षा सीख सके और खुद को मजबूत बना सके । महिला सैल प्रभारी डॉ ज्योति लडवाल ने बताया कि महाविद्यालय में 5 दिन का आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसका आज समापन था और रोहतक से महिला प्रशिक्षक एवं बॉक्सिंग खिलाड़ी मोनिका पांचाल द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया । डॉ ज्योति लडवाल का मानना है कि ऐसे ऐसे शिविर हर स्कूलों और कॉलेजों एवं हर गांव में लगवाए जाए ताकि सभी लड़कियां आत्मरक्षा सीख सके एवं खुद को मजबूत बना सके ताकि लड़कियां छेड़छाड़ के दौरान लड़कों से बचाव कर सके । समापन के दौरान आज के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य श्री जगबीर सिंह कुंडू रहे । शिविर के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को और पहली तीन टीमों को कॉलेज के स्टाफ द्वारा सम्मानित किया गया जिसमें प्रथम टीम में श्वेता, अन्नू और पूजा रही । दूसरी टीम में तन्नु, रितिका और आरती रही । तीसरी टीम में मनीषा, रेखा और अंकुश विजेता रही । सभी प्रतिभागियों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला । इस मौके पर मुकेश देशवाल, डॉ नेहा मित्तल,

Scanned with CamScanner

Jyoti
today at 1:14 PM

नीरज धानिया, सोनिया देशवाल, बॉक्सर सूरज रोहिल्ला, दीपक भाकर, कुमारी मीना, कुमारी निशा, श्री उषा, निशा सहित सभी छात्राएं उपस्थित रही ।

दिनांक 7 मार्च 2022 को राजकीय महाविद्यालय जुलाना में महिला प्रकोष्ठ और एन. एस. एस. के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाने के लिए नारी सशक्तिकरण हेतु एक शपथ समारोह और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ जगबीर सिंह कुंडू द्वारा लड़कियों को समाज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और सरकार द्वारा समय-समय पर महिलाओं के उत्थान हेतु बनाई गई योजनाओं से अवगत कराया व महिलाएं किस तरीके से इन योजनाओं का लाभ उठा सकती है, इस बारे में भी उन्हें जागरूक किया। डॉ कुंडू ने लड़कियों को महिला संरक्षण कानून से भी अवगत कराया। महिला संरक्षण अधिनियम उन्हें किस तरीके से संरक्षित करता है इससे संबंधित कानूनों के बारे में उन्होंने सभी लड़कियों को बताया। इस दौरान महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ ज्योति लडवाल द्वारा लड़कियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें महान महिलाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अबला नहीं सबला हैं और हमें सहारा लेने की नहीं देने की आवश्यकता है। साथ ही एनएसएस प्रभारी कुमारी मीना ने भी रैली के दौरान जुलाना के निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी लड़कियों को पढ़ने के लिए स्कूल और कॉलेज में भेजना चाहिए। इस अवसर पर बाल विवाह, भ्रूण हत्या और महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार से संबंधित जागरूकता रैली महाविद्यालय से नए बस स्टैंड तक निकाली गई। इस दौरान श्री मुकेश देशवाल, श्री दीपक भाखर, श्री महिपाल, श्रीमती नीरज धनिया, श्रीमती सोनिया देशवाल, कुमारी नीशू गुप्ता आदि सहित स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

Incharge

Women Cell and Beti Bachao Beti Padhao Committee

Scanned with CamScanner

राजकीय कॉलेज में महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम आयोजित

जुलाना (सच कहूँ न्यूज)।

राजकीय महाविद्यालय जुलाना में महिला प्रकोष्ठ द्वारा नारी सशक्तिकरण पर एक दिवसीय काउंसलिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जगबीर सिंह कुंडू द्वारा लड़कियों को समाज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और सरकार द्वारा समय-समय पर महिलाओं के उत्थान हेतु बनाई गई योजनाओं से अवगत कराया व महिलाएं किस तरीके से इन योजनाओं का लाभ उठा सकती हैं, इस बारे में भी उन्हें जागरूक किया। डॉ. कुंडू ने लड़कियों को महिला संरक्षण कानून से भी अवगत कराया। महिला संरक्षण अधिनियम उन्हें किस तरीके से संरक्षित करता है, इससे संबंधित कानूनों के बारे में उन्होंने सभी लड़कियों को बताया। वर्कशॉप के दौरान महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ज्योति द्वारा लड़कियों को समाज, घर, स्कूल, कॉलेज में किस तरीके से अपने आप को सुरक्षित रखना, गुड टच व बैड टच को परखना और इन अनचाही घटनाओं से सचेत रहने के बारे में जागरूक किया। डॉ. ज्योति ने महाविद्यालय में लड़कियों के लिए आयोजित की जाने वाली 14 फरवरी से 19 फरवरी तक आत्मरक्षा दौरान वर्कशॉप में भाग लेने के लिए भी सभी लड़कियों को प्रेरित किया और आत्मरक्षा के गुण सीखने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर नीरज भांखरी, सोनिया, दीपक भास्कर, विश्वजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

जुलाना। कार्यक्रम में भाग लेती छात्राएं।

सच कहूँ Sat, 12 February 2022
epaper.sachkahoon.com/c/66192590

https://web.whatsapp.com
Scanned with CamScanner

त्राओं को गुड टच और बैड टच मेत आत्मसुरक्षा के दिए टिप्स

नाना. राजकीय कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती छात्राएं।

भास्कर न्यूज | जुलाना

कीय महाविद्यालय जुलाना में महिला ोष्ठ द्वारा नारी सशक्तिकरण पर ; दिवसीय काउंसलिंग वर्कशॉप का योजन किया गया। इसके अंतर्गत ाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जगबीर सिंह ड़ द्वारा लड़कियों को समाज में आगे ने के लिए प्रेरित किया और सरकार

ने लड़कियों को महिला संरक्षण का से भी अवगत कराया। महिला सर अधिनियम उन्हें किस तरीके से सर्ग करता है इससे संबंधित कानूनों के में उन्होंने सभी लड़कियों को बता वर्कशॉप के दौरान महिला प्रकोष्ठ प्र डॉ. ज्योति लडवाल द्वारा लड़कियों अपने समाज में, घर में, स्कूल, कॉ में किस तरीके से अपने आप को सर्ग

https://web.whatsapp.com

Scanned with CamScanner

Beti Bachao Beti Padhao

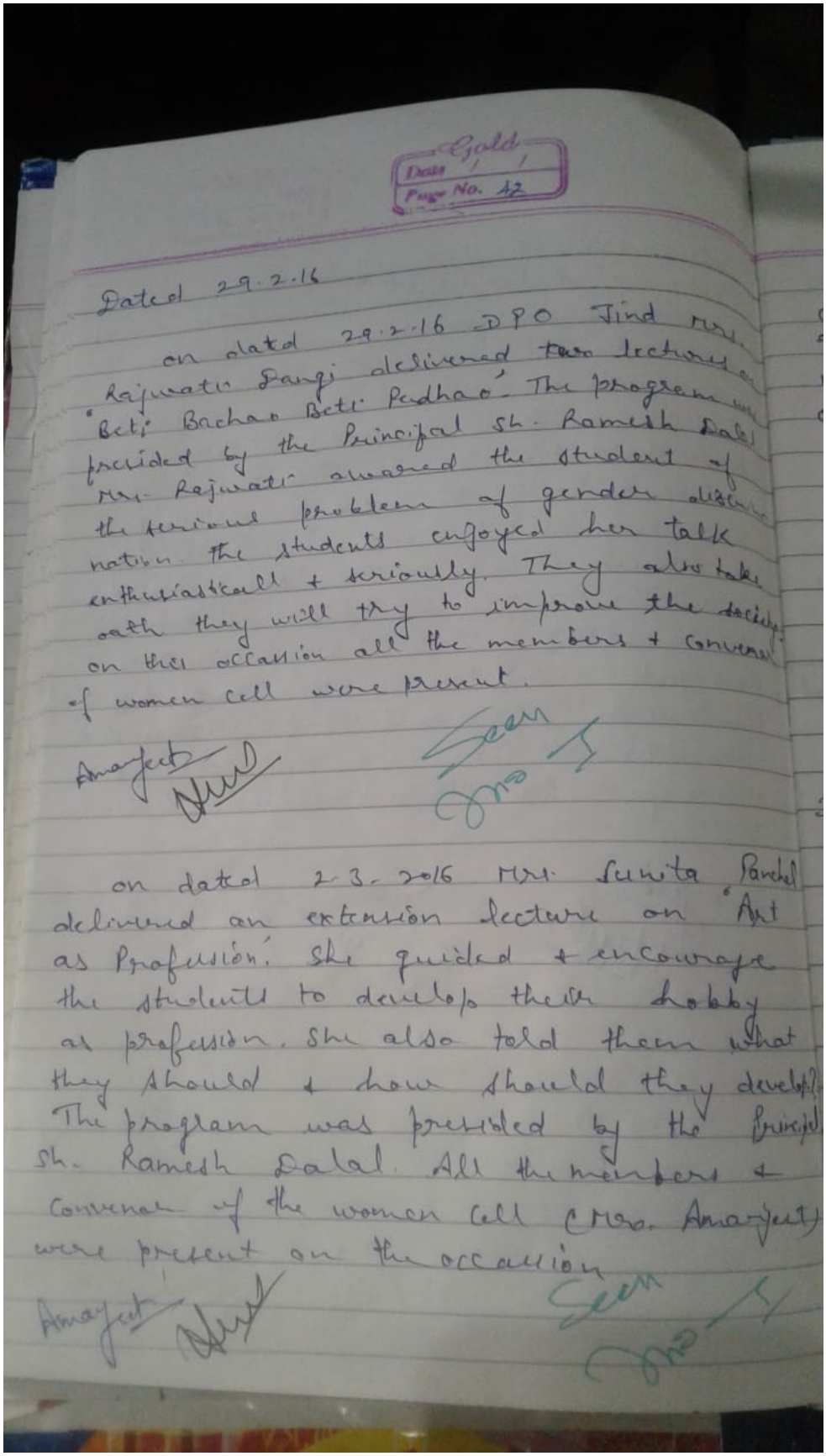

Gold
Date / /
Page No. 42

Dated 29.2.16

on dated 29.2.16 DPO Jind Mrs. Rajwati Rangi delivered two lectures on 'Beti Bachao Beti Padhao'. The program was presided by the Principal Sh. Ramesh Dalal. Mrs. Rajwati aware the student of the serious problem of gender discrimination. The students enjoyed her talk enthusiastically + seriously. They also take oath they will try to improve the society. on this occasion all the members + convener of women cell were present.

Amarjeet

Seen
Mrs

on dated 2.3.2016 Mrs. Sunita Panchal delivered an extension lecture on 'Art as Profession'. She guided + encourage the students to develop their hobby as profession. She also told them what they should + how should they develop? The program was presided by the Principal Sh. Ramesh Dalal. All the members + convener of the women cell (Mrs. Amarjeet) were present on the occasion

Amarjeet

Seen
Mrs

EVS

यूनिट—5 पर्यावरण प्रदूषण (Environmental Pollution)

परिभाषा

- कारण, प्रभाव, एवं नियंत्रण के तरीके :
  (क) वायु-प्रदूषण (ख) ध्वनि-प्रदूषण (ग) जल-प्रदूषण
  (घ) ताप-प्रदूषण (ङ) समुद्री-प्रदूषण (च) भूमि-प्रदूषण
  (छ) आण्विक खतरे (Nuclear hazards)
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : शहरी एवं औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थ के कारण, प्रभाव तथा नियंत्रण विधियाँ।
- प्रदूषण रोकने में व्यक्ति का योगदान/सहयोग।
- प्रदूषण के उदाहरणीय अध्ययन।
- आपदा-प्रबंधन : बाढ़ें, भूकम्प तथा भूस्खलन।

यूनिट—6 सामाजिक समस्याएँ/प्रश्न एवं पर्यावरण (Social issues and the Environment)

- अस्थायी विकास से चिरस्थायी विकास की ओर।
- ऊर्जा संबंधी शहरी समस्याएँ।
- जल-संरक्षण, वर्षा जल एकत्रण, जल विभाजक प्रबन्धन।
- विस्थापित लोगों का पुनर्वास, इसकी समस्याएँ, चिंताएँ, उदाहरणीय अध्ययन।
- पर्यावरण आचरण संहिता : समस्याएँ तथा निदान।
- जलवायु परिवर्तन, विश्व-तापन, अम्लीय वर्षा, ओज़ोन परत का क्षीण होना, आण्विक दुर्घटनाएँ तथा विध्वंस। उदाहरणीय अध्ययन।
- बंजर भूमि सुधार।
- उपभोक्तावाद तथा अपशेष पदार्थ।
- पर्यावरण सुरक्षा विधेयक।
- वायु (रोकथाम एवं प्रदूषण नियंत्रण) विधेयक।
- जल (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) विधेयक।
- वन-जीव सुरक्षा विधेयक।
- वन संरक्षण विधेयक।
- पर्यावरण कानूनों का पालन-मुख्य मुद्दे।
- पर्यावरणीय जन-चेतना (Public awareness)।

यूनिट—7 मानव जनसंख्या तथा पर्यावरण (Human Population and the Environment)

(*i*) जनसंख्या एवं पर्यावरण

- जनसंख्या वृद्धि, राष्ट्रों में भिन्नताएँ।
- जनसंख्या विस्फोट-परिवार कल्याण कार्यक्रम।
- पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य।

(*ii*) जनसंख्या एवं पर्यावरण

- मानवाधिकार (Human rights)।
- HIV/एडस (AIDS)।
- महिला तथा शिशु कल्याण।
- पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य में संचार तकनीकी (Information technology) का योगदान।
- उदाहरणीय अध्ययन।

यूनिट—8 क्षेत्र-कार्य (Field-work)

- किसी स्थानीय क्षेत्र में जाकर पर्यावरण की सम्पत्ति का अध्ययन करना—जैसे नदी, वन, घास-स्थल, पहाड़ी, पहाड़ आदि।
- किसी स्थानीय प्रदूषित जगह में जाना—नागरिक, ग्रामीण, औद्योगिक अथवा कृषि-क्षेत्र।
- साधारण पौधों, कीटों तथा पक्षियों का अध्ययन।
- साधारण ईकोसिस्टम का अध्ययन—जैसे तालाब, नदी, पहाड़ी ढलान आदि।

EVS

पाठ्यक्रम

यूनिट—1 पर्यावरण अध्ययन का बहुविषयक स्वरूप—परिभाषा, कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व। जन चेतना की आवश्यकता।

यूनिट—2 प्राकृतिक संपदाएँ (Natural Resources)—पुनर्स्थापित होने वाली तथा न पुनर्स्थापित होने वाली संपदाएँ, प्राकृतिक संपदाएँ एवं संबंधित समस्याएँ।

(क) वन संपदा : प्रयोग एवं शोषण, वन कटाई, उदाहरणीय अध्ययन, इमारती लकड़ी काटना, खनिकर्म, बाँध तथा इनका वनों पर तथा जनजातीय लोगों पर प्रभाव।

(ख) जल-संपदा : प्रयोग एवं सतही तथा भूमिगत जल का अधिक प्रयोग, बाढ़ें, सूखा, जलीय विवाद, बाँध-लाभ तथा समस्याएँ।

(ग) खनिज संपदा : प्रयोग एवं शोषण, खनिजों को निकालने एवं इस्तेमाल करने के पर्यावरणीय प्रभाव, उदाहरणीय अध्ययन।

(घ) भोजन/खाद्य संपदा : विश्व की खाद्य समस्याएँ, कृषि तथा अति-चराई के दुष्प्रभाव, आधुनिक कृषि के प्रभाव। खाद तथा पैस्टिसाइड की समस्या, जलाक्रान्ति, लवणता, उदाहरणीय अध्ययन।

(ङ) ऊर्जा संपदा : ऊर्जा की बढ़ती माँग, पुनर्स्थापित होने वाले ऊर्जा स्रोत। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का इस्तेमाल, उदाहरणीय अध्ययन।

(च) भूमि संपदा : भूमि एक संपदा, भूमि की विकृति, मानवकृत भूस्खलन के संरक्षण में व्यक्ति का योगदान, Soil erosion and desertification.

- प्राकृतिक संपदाओं के संरक्षण में व्यक्ति का योगदान।
- चिरस्थाई जीवन शैली के लिए संपदाओं का समतापूर्ण प्रयोग।

यूनिट—3 पारिस्थितिकीय तंत्र (Ecosystems)

- ईकोसिस्टम की अवधारणा
- ईकोसिस्टम की रचना एवं कार्य।
- उत्पादक, उपभोक्ता तथा अपघटनकारी जीव (decomposers)
- ईकोसिस्टम में ऊर्जा-गतिकी (energy flow)
- खाद्य-प्रणालियाँ, खाद्य-जाल तथा पारिस्थितिकी पिरेमिड।
- निम्नलिखित ईकोसिस्टमों की परिभाषा, किस्में, विशेषताएं, रचना एवं कार्य :
  - (अ) घास-स्थल ईकोसिस्टम (Grass-land ecosystem)
  - (ब) वन ईकोसिस्टम
  - (स) मरुस्थलीय ईकोसिस्टम
  - (द) जलीय ईकोसिस्टम (तालाब, नदिकाएँ, झीलें, नदियाँ, समुद्र तथा मुहाने)।
- पारिस्थितिकी वंशक्रम (Ecological Succession)

यूनिट—4 जैव-विविधता तथा इसका संरक्षण (Biodiversity and its Conservation)

- भूमिका, परिभाषा आनुवंशिक, प्रजातीय तथा ईकोसिस्टम विविधता।
- भारत का जैव-भौगोलिक वर्गीकरण।
- जैव-विविधता का महत्त्व—उपभोग-उपयोग मूल्यांकन, उत्पादन-उपयोग मूल्यांकन, सामाजिक, व्यावहारिक, सौन्दर्य-संबंधी तथा वैकल्पिक महत्त्व।
- विश्व स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर पर तथा स्थानीय स्तर पर जैव विविधता।
- भारत एक महा-जैवविविधता राष्ट्र (India as mega-diversity nation)
- जैव-विविधता के अति-सक्रिय क्षेत्र (Hot Spots)।
- जैव-विविधता को खतरे-वासस्थान-नाश, वन जीवों का चोरी-छिपे शिकार, मानव-वन जीव संघर्ष।
- भारत की स्थानीय (endemic) तथा संकटापन्न (endangered) प्रजातियाँ।
- जैव-विविधता का संरक्षण (Methods for Conservation of Biodiversity) : स्वस्थाने संरक्षण (*In-situ* conservation) तथा अवस्थाने संरक्षण (*Ex-Situ* conservation)।

Gender Equality

Gold
Date / /
Page No. 43

on dated 2.3.2016 an 'Inter College Speech competition' on 'Problems & Challenges faced by women in Modern Society' was organised under the aegis of women cell. The program was presided by the chief guest, the Principal Sh. Ramesh Dalal. The jury included Sh. Anil Kaushik, Asst. Prof. G.C.W. Lalkan majra, Sh. Attar Singh, Principal, Indus Degree College, Kinana, Ms. Neeru Asst. Prof. G.C. Julana. In this comp. various college participated in which Aarti Bansal H.K.M.V. Jind won 1st Position Priya Indus Degree colleg Kinana 3rd position Bhakri, G.C. Julan won 2nd position. The program was conduct by Ms. Amarjeet Kaur & Ms. Urmila Sharma & other members of women cell. At last, the Principal Sh. Ramesh Dalal thanked the guest & encourag the students to participate in such competitions.

Amarjeet

Seen

Gender Sensitization

Session 2018-2019

Page No. 57

on the occasion of Rakshabandhan as per letter no. 1/23-2018 Co (2) we organised a three day Programme 'Rakshabandhan - an occasion to celebrate Womanhood' under the aegis of women cell from 23rd Aug'18 to 25th Aug 2018. on 23rd Aug a slogan writing competition was organised in which Pooja, Bcom. IIst (Ist), Pooja B.A I (2nd) and Neesha B.A III was 3rd. on the same day we also organised Group Discussion on Gender violence, Dignity + Safety of women. on 24th Aug Rallies were organised to create social awareness and special Assembly was also organised on "Gender Sensitization" in which the girls and boys participated enthusiastically. The Key note speaker Principal Sh. Bhupender Singh ji presented his views on Gender Sensitization & inspired the student to respect the girls. on this occasion some Professors also presented their views on the Gender Issue. The Incharge of Women cell Mrs. Amarjeet Kaur also delivered a lecture on 'Nari Shakti and Suraksha'. on 25th August Pledge was administered by all student for girls safety & Sankalp Sutras were tied to the trees. The photos of all the activities have been uploaded on the college portal.

Gender Equality

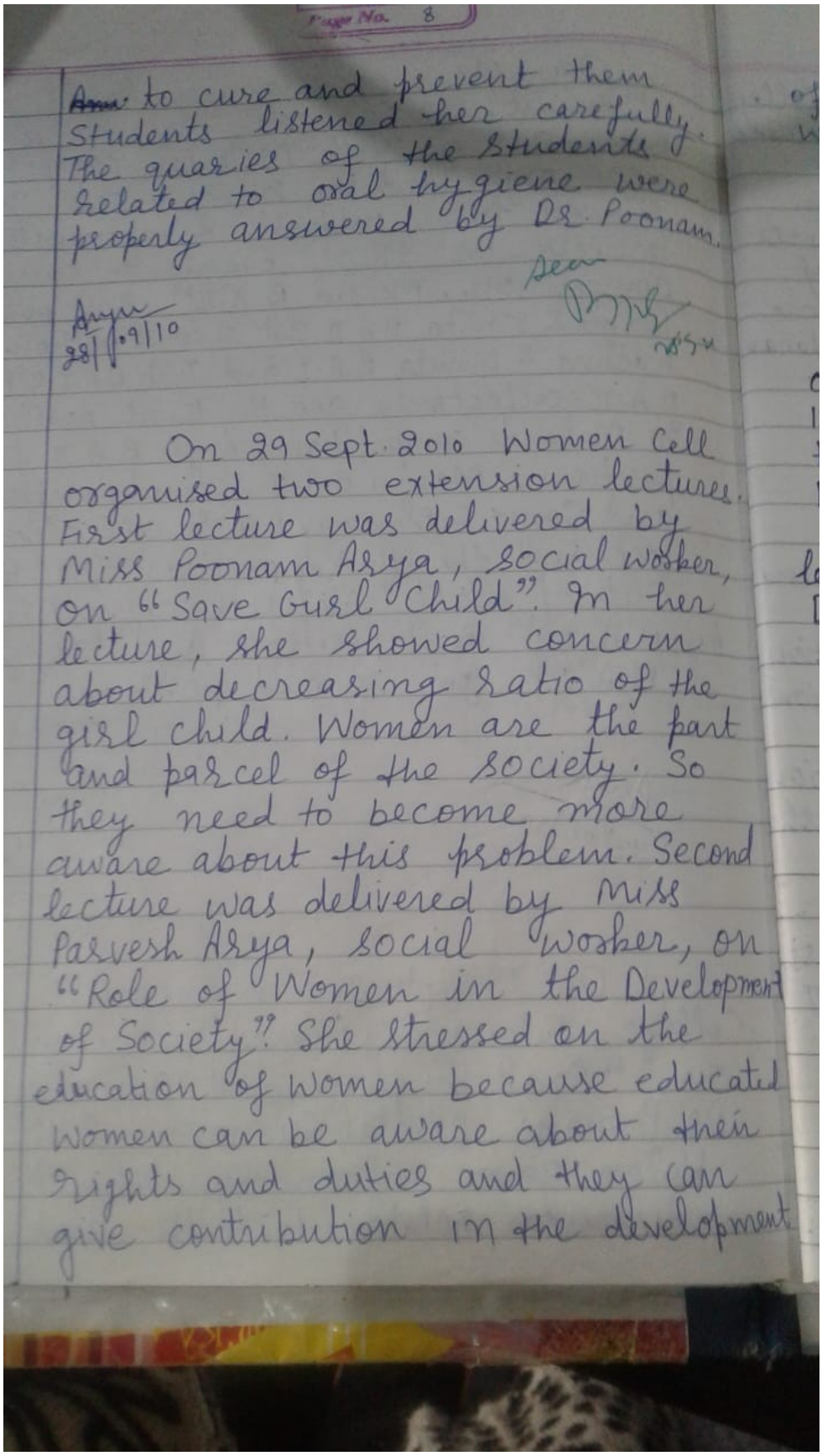

Page No. 8

~~Ann~~ to cure and prevent them. Students listened her carefully. The quaries of the students related to oral hygiene were properly answered by Dr. Poonam.

Seen

Anju
28/9/10

On 29 Sept. 2010 Women Cell organised two extension lectures. First lecture was delivered by Miss Poonam Arya, social wosker, on "Save Girl Child". In her lecture, she showed concern about decreasing ratio of the girl child. Women are the part and parcel of the society. So they need to become more aware about this problem. Second lecture was delivered by Miss Parvesh Arya, social wosker, on "Role of Women in the Development of Society". She stressed on the education of women because educated women can be aware about their rights and duties and they can give contribution in the development

Human Value

Session - 2019-2020

Date / /
Page No. 65

दिनांक 07/09/2019 को महिला-प्रकोष्ठ के अन्तर्गत एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें जिला अदालत जीन्द की वकील श्रीमति अंजलि कौशिक ने घरेलू हिंसा और यौन-उत्पीड़न पर कानूनी जागरूकता विषय पर छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यौन-उत्पीड़न व घरेलू हिंसा के दायरे में क्या-क्या आ सकता है किस प्रकार आप शिकायत दर्ज करवा सकते हैं व अपराधी पर क्या-क्या कार्यवाही हो सकती है। छात्राओं ने अपनी समस्याएं भी मैडम के समक्ष रखी व समाधान भी पाए। महिला-प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ॰ सुमन ने भी इस अवसर पर व्याख्यान दिया व छात्राओं को बताया कि महाविद्यालय में भी महिला-प्रकोष्ठ व यौन उत्पीड़न कमेटी होती है जहाँ आप अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं जिस पर निश्चित कार्यवाही होती है साथ ही छात्राएं अपने मैंटर से भी अपनी परेशानी बाँट सकती हैं। शिकायतकर्ता का नाम भी बाहर नहीं बताया जाता और छात्राओं की सुरक्षा व सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाता है। इस अवसर पर डॉ॰ प्रतिभा, नीरज, श्रीमती अल्पना शर्मा आदि मौजूद रहे।

Rimpy

NSS Activities

2020 - 2021

Scanned with CamScanner

1) 26 July 2020 - Taking part in Kargil Vijay Diwas celebration organized by CRSU, Jind.

2) 15 Aug. 2020 - Independence Day Celebration and tree plantation with poster making competition, Quiz, speech and essay writting competition.

3). 03 Aug. - 2nd Oct. 2020 - Harit Haryana Abhiy

4) 15 Aug. - 02 Oct. 2020 - Fit India Run. under Fit India Movement (Zoom meeting, Yoga exercises, sports, COVID-19 awareness campaign, e-posters, Fit India Youth Club formation).

5). 24 Sep. 2020 Taking part in NSS video making Competition held at G.C. Sec 9, Gurugram.

6) 24 Sep. 2020 - Taking part in virtual NSS awards ceremony (2018-2019) webcast by NIC

7). 27 S

8). 21 Se

9). 13 Oc

10). 27

11) 11 N

12) 26

13). 2

14) 2

15) 11

Scanned with CamScanner

7). 27 Sep., 2020 - Attending Online webinar on 'Gramin Yuva Manthan'.

8). 21 Sep. - 04 Oct. 2020 Awareness programme regarding 'NetraDaan Mahadaan'

9). 13 Oct 2020 - 20 Oct. 2020 - Jan Andolan for COVID-19 Appropriate behaviour pledge.

10). 27 Oct. 2020 - 02 Nov. 2020 - Observance of vigilance awareness week.

11) 11 Nov. 2020 - Celebration of 'National Education Day'.

12) 26 Nov. 2020 - celebration of 'Indian Constitution Day'.

13). 22 Dec., 2020 Visit to old age home with volunteers.

14) 24 Dec., 2020 trial inagration was shown to old age people in old Age Home.

15) 11 Jan, 2021 - Formation of 'Swami Vivekanand Youth Cell'.

Scanned with CamScanner

16) 12 Jan. 2021 - Awarness regarding vaccination.

17) 25 Jan. 2021 - Celebration of National Voter's Day. also One Day Camp.

18) 02 Feb. 2021 - Celebration of One Day NSS camp regarding the traffic Rules awarness.

Seen

19) 11 Feb. 2021 - NSS volunteers visited the old age home with NSS PO.

20) 08 March 2021 - Celebration of 'Azadi ka Amrut Mahotsav'.

21) 24 March 2021 — NSS volunteers with PO attended, One Day Human Rights session at CRSU and team got Ist position in Quiz Competition

22) 11th - 14th April 2021 Celebration of 'Tika Utsav'.

Scanned with CamScanner

23) 14 May 2021 – Awareness champing about COVID 19 symptoms, precaution and vaccination.

24) 18 May 2021 – Attended "Role of Ayurveda Naturopathy and physical Activities in COVID-19 Management' webinar organized by CRSU, Jind.

25) 21 May 2021 – Attended conference with UNICEF - MOYAS YUWAAH # Young Warrior Youth Led Movement -reg.

26) 26 May 2021 – Meeting with NSS Co-ordinator CRSU attended by all NSS PO's

27) 27 May 2021 – Organized an Online Interaction Programme to aware NSS volunteers about enrollment as an # Young Warrior, iGot Training and UNICEF Knowledge Hub.

28) 11 June 2021 – Organized Webinar on "Role of NSS volunteers in COVID-19 Awareness".

Scanned with CamScanner

Date / /
Page No.

29. 21 June 2021 - Celebrated "International Day of Yoga". Also State Level Poster Making and Slogan Writing Programme / Competitions" had organized by NSS units GC Julana.

24/6/21

राजकीय महाविद्यालय में एन.एस.एस. तहत 'आजादी का अमृत महोत्सव' का हुआ शुभारंभ

जुलाना, 2 मार्च (पंकेस): जुलाना के राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम व आयोजन किया गया जिसमें एन.एस.एस. तहत 'आजादी का अमृत महोत्सव' का शुभारंभ किया गया।

जुलाना के राजकीय महाविद्यालय में 1 सप्ताह पहले से शुरू किए गए स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाने को लेकर एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मीना राणा और मुकेश देशवाल ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर महाविद्यालय के राजनीतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जगबीर कुंडू ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन के सामाजिक, राजनीतिक एवं संस्कृतिक पक्षों के महत्त्व बारे बताया। एन.एस.एस. अधिकारी मीना राणा ने स्वयंसेवकों से कहा कि उनका दायित्व समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए लोगों को जागरूक करना हैं। इसके अलावा आज के समय में युवा पीढ़ी जिस प्रकार से नशे की ओर अग्रसर है उन्हें भी सही मार्गदर्शन करवाना चाहिए। इस मौके पर डा. संजय, विश्वजीत, डा.दीपक, नरेन्द्र आदि मौजूद रहे।

जुलाना के राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवक और कॉलेज स्टाफ। (पंकेस)

Scanned with CamScanner